ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डा0 यशवन्त सिंह परमार औद्यानिकी एवम् वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन

भारत मौसम विज्ञान विभाग, भू-विज्ञान मंत्रालय

(भारत सरकार)

मौसम और कृषि दृष्टिकोण

Tel: +91-1792-252706 ; e-mails: Jangra_ms@live.com, hodevs@yspuniversity.ac.in

वर्ष: 25 अंक: 32 अवधि: 17-21 अप्रैल दिनांक: 16-04-2019

शिमला, सोलन, सिरमौर व बिलासपुर जिलों के मौसम का पूर्वानुमान

पिछले सप्ताह का मौसम: पिछले सप्ताह सभी जिलों में मौसम शुष्क रहा। दिन व रात का तापमान सामान्य से कम रहे।

आने वाले पांच दिनों के मौसम का पूर्वानुमान

अगले पांच दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहने, बीच-बीच में हल्के बादलो के साथ मध्यम हवा चलने तथा 17-18 अप्रैल को हल्की वर्षा होने की संम्भावना है।दिन व रात के तापमान में 1-2 डि सै की बढ़ोतरी होने की संभावना है।हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 7 से 9 कि.मी. प्रति घण्टा चलने तथा औसतन सापेक्षित आर्द्रता 20-62 प्रतिशत तक रहने की संम्भावना है।

सप्ताहिक कृषि कार्य

बागवानी सम्बंधित कार्य:

गुठलीदार फलों में मैन्कोजैब या कॉपर आ।क्सीक्लोराईड 600 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। सेब में हरी पंखुड़ी से गुलाबी कली की अवस्था में बोरिक एसिड 100 प्रति 100 लीटर पानी तथा यूरिया 500 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी का छिड़काव करें। सेब में कॉलर रोग, सड़न रोग, डाईबैक रोग से बचाने के लिए कॉपर आ।क्सीक्लोराईड 3 ग्रामप्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

सब्जी फसलों सम्बंधित कार्य:

निचले क्षेत्रों में टमाटर, बैगन, षिमलामिर्च, तेज मिर्च, खीरा, करेला, कद्दू वगीय फसलों, भिण्डी तथा फ्रासबीन में नत्रजन की दुसरी मात्रा डालें।मध्यवर्ती क्षेत्रों में इन फसलों की तैयार पौध की रोपाई करें। इन फसलों में तेले की रोकथाम के लिए आक्सीडेमेटॉन मिथाईल का 1 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

हरितगृह कार्य:

हरितगृह के अंदर रंगीन शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा आदि की बीमारी व कीटों की रोकथाम के लिए साफ-सफाई, पानी की निकासी व निराई गुढ़ाई की व्यवस्था करें। समय व अवश्यकतानुसार फंफूदनाशक व कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते रहें। इसमे लगी हुई फसलों के लिए तापमान बनाए रखनें के लिए साईड तथा टॉप वैन्टीलेशन को शाम से सुबह तक बंद रखें। सिचाई तथा खाद टपक विधि द्वारा ही दें।

पशुधन सम्बंधित कार्य:

हरे चारे की कमी के कारण पशुओं में खानिज व विटामिनों की कमी हो जाती है जोकि पशुओं में हीट में न आने व गर्भ धारण न करने का करण बनता है। इसलिए इस मौसम में पशुओं के दाने में प्रतिदिन 30-50 ग्राम खनिज मिश्रण डालें। तापमान में हल्की वृद्वि के कारण इस समय बाहरी परजीवियों की अधिकता बढ जाती है इनकी रोकथाम के लिए पशुओं के शरीर पर 2-2.5 मिली साइपरमेथरिन का एक लीटर पानी में घोल बनाकर स्प्रे करें।

डॉ मोहन सिंह जॉगडा
नोडल ऑफिसर

डॉ सतीश भारद्वाज
विभागाध्यक्ष